

पूयक कार्त्तक स थ द ॥ नाग ॥ वना ॥
ह ना पूयक उ न स स द ली उ ख स भ्रा उ
का नू य क कि गा व स क थि द म इ न अ न ग
र ॥ ॥ धर्म च नु ग उ ॥ क थ म ॥ का ल
नू ॥ व द ना उ द ॥ नाग ॥ म ला ॥ गं
उ ॥ य न द र वा या न हि ना पा

नडाद यादिसुत्रिगकाडा ॥ कु ॥
 कृष्णयात्र जनमरक्षिसत्रन ॥ राग ॥ सा
 यी कात्रकृतरवाय ॥ अरु संधत्र ॥ वीरुति
 किचत्र ॥ कु ॥ पात्रवमिपानत्रागिगुत्रकत्रधत्र
 उगाकृतरसिपकु ॥ उगात्रचनादि राक्षपुकास
 काकमत्रइरवमाचन ॥ कु ॥ राग ॥ कादी ॥ पु ॥ अ
 मत्राकानमनगात्रगाडा जनधनसउभया

सिखात्रनसाहानस्रसत्राडाविआनान
 न ॥ अतिवाग्दकवानमनदकायाकत्रा
 निसदान ॥ कु ॥ मकृतरात्रनहदडायंतकृपन
 अत्रन ॥ अठसवन्यमाइनमनिधअदमूकोन
 हउरुन ॥ कु ॥ अतिनवाजाडायात्रहाकिनगा
 मयाकडाडात्रा ॥ याथअतिरडाग्वस्वानमात्रा
 नेयात्रनयत्रहाला ॥ बाहानरुगियानसाभसरवि

मात्रिसा नदाठ यात्रि नमाल जासा कुन सा तद सा मवि द के
 थयान सा ॥ अडि सिद्धि द वीनि क पासा ॥ कु ॥ झा क के याहि द य
 स सिद्धि नाथ प्राग लास मव म द कि विन आस मन र स्य न स वा स थ
 द या या त्रि न पा स रु ज त य द या उ व ना स ॥ कु ॥ राग ॥ मात्र सि ॥
 ज कि ॥ कात्रि का न ग वात्रि का क त पा त उ ग न या ध त नि ॥ डा व स
 या य स मान स त्रि त स डा स न धू क उ त्रि सा उ ग हि व या त्रे ॥ मात्र या
 म तु क स क डा न क त स मा मि द्या न न यान त ॥ कु ॥ न ग त द कि क

मिथ या डा आत्रि य मि कू त य न कू त्रि न त ॥ त कू वि ज य स कू लि द
 थ या धू व त य य कू त्रि न त ॥ ग त स न त सि त म उ अ स न का स हा
 त्रि न त ॥ ख अष त य त स यि द द व द ध त गु य का त्रा हा त्रि न त
 ॥ अ मि रु य कू मू त्रि त्रि डा स कू या ग या न कू त्रि स रू रु न त ॥ त्रि थो
 न त वि त म न स न न म न ला डा रु गी त्रि धि धा न त ॥ कु ॥ राग ॥
 मात्र सि ॥ त्रि कू थ दि म सि त्रि जा ॥ ज य मि रै के ज य स कू त्रा त य रा दि
 का दि य उं रु जा रु धा ॥ ज य न वी व स न ता त्रि रि य न कू जि ना न मू ध

आ॥ रुत्रमन्त्रि नित्रवृषि द्वे श्वगनरुषिहिमं हं त्रचनदिनि॥ ५॥
 अस्रवत्रसूत्र लात्रलसइत्रजुहं कौन्तासूत्रसादिनि॥ कित्रकि का
 तिकातिरु नीवेदिनि सत्रकित्रिकायिनि॥ इत्रितरुमरुमसा म
 यादुहं नात्रकायकि त्रुषिनि॥ कात्रिकरुही त्रुषिनि॥ हयैर्जग
 जय आसस विनय मत्तमस रुवयवये॥ वित्रसगाऊ नि त्रुनि
 दाहातिरुवनाम॥ भादिनिजाकः मायाजालमामनभवसिद्धजवहालि
 रात्रा॥ ५॥ नयनातयगुरुदत्रसकासवनासूननाकावनरुजास्त्रगमिल

मादिनिजा ४८ • रुत्रमसा १ साजसमा ७० जयैर्जग

५२

नकांनिसिदानेहिचयन॥ २॥ १ दाहाः रुमहं साधुमसत्रावलः सदायत्रि
 रुत्रासंगः रुसासत्रावनाकासंगः विपतीषत्रकमलकि संगः कागातममसि
 किलंगवात्राकागातः हागुरुकुरु उकागात॥ ॥ १ दाहा॥ साधुममाभाह
 सिज्रभाहकसाहाववत्रिः सदेजहिमासमलवात्राकोलाकैजहाऊका॥
 कौनवलीउमसायिरुदात्रिरुमात्राभाऊः शप्सकावहावदनदूत्राका
 ॥ कमलनयनकत्रगयकात्रावालवात्रसनदुसत्रानजानतहाः साहाय
 सत्राकाऊका॥ अत्ररुकाजजालथत्रगत्रक कत्रियाकगलंताहत्रासायक
 पात्रथहिमत्राऊका॥ ३॥ ॥ रागा॥ कादि॥ जयैरुगजालिगुनगुदुत्रत्रमा
 पुत्रयकदं॥ गुदुत्रवदनमदनरुनामजसकुरुकेरुनामादिदिन्यः जास्

गामनाम ७२ पु ३२ क ७३

वाहानरुपुह जैवत जैवत वचन सुतं ॥ शुद्धलमात्र विष्वाहन पद सुतं
कथा दधन ॥ निरुतिनात्र व्यात्र उयदि च ॥ इव जात्रे पु पुत्र ॥ निलक मत्र दत्र
निरुतिज कात्यासीन सुधत्र ॥ अरुतिना दगह गज मय शुभकूत धत्र ॥
गाम ॥ ॥ पिगल गायि रस्य माजि स ॥ तमिनाम विनरु धेनरुतिनात्र
गामिनाथ काकं थत्र गाय ॥ कृकं कं कं स कं रुय उप जा उगः सनन कं पुम य
यम सहाय ॥ शुधत्र कं युह गात्रि धल नात्रे पुम य दय क ऊया उ ॥ ध ॥ गाम ॥
॥ शुद्धल कं गाम उं मनरुतिना डान कात्रियत्र न गत्रि सनन कं सात्रि ॥ दि
ति निरुति गानि नाव कं जा मिनी गुह्य र्ध नि साय कं च द व द न त्र सनन कं सात्रि
॥ तत्र इ यि र्ध त्री दि गुह्य त्र य शुय रि य य त्री यारु यिल व स ग न वि द्या क

जाकि याम ७४

गाम ॥ ॥ जाकि याम कं रुह नाः काक पुह र्ध त्रि उ सि त्रानि उ
दि ॥ ध ॥ न मिती सी शुा जगं ना थ म् कं द मा म त्र जना रुज ना द नं मा त्र
कं ड व नि कृ कृ ना हि ना व मा रु द धि यि डे दि म न रू ती स ना नं पु न
जर्म न वि द्य त्र ग व पु क्क ना य ज ग धि ना थं कृ कृ य त्र व वि द न
म न म र्द स प न स स्या प न सूरु म र्द ग्या ना न ना म शु ह स
उले
एव वि ना स ॥ जय २५६ एव र्द ग्या

द्विष्टियं ॥ नमः ॥

ॐ शिवाय ॥ नमः ॥ ॥ दक्षिणाय नमः ॥ संकलः यगन्नामल द्युल्ल
कुचिचंरल ॥ वाङ्मनवमास कल ॥ शुभं क्वायिल्लरुहं गजगनन द्यनायि
गमडंनः नानमधुनिधुनित्रिः अयसल नायन गहिगतधित्र ॥ २ ॥ शुभ
नलरुयमुनिवरुहलिः आनदयसत्रथदा यद्यत्री ॥ रूपमकनवेकल
हिमकपातिधिसिगलनन मिलागनडंनिधि ॥ ३ ॥ ॥ नमः ॥ ॥
नागः जायजिडति ॥ ४ ॥ जयजयमचिद्वजगतडधत्र विरव न्यामह
डकयवत्र हात्र जयजय विरव न्याथ ॥ ५ ॥ भूत्रनवत्रनद नीनयन
विहात्र ॥ सत्रसिज आसन अहं वत्र हात्र जयजय विरव न्यामथ ॥ ६ ॥
गजपतिमहिदुसिह नृपलन्य ॥ विनीदिनात्रायनमक जाडजय
विरव न्यामथ ॥ ७ ॥

[illegible]

नाग॥
 षष्ठं तन्मूढादिना लोकात् ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 जनवाञ्छयामवे तस्य ॥ १ ॥
 श्रीश्रीसूरव्यान्यवसरुत्तममिव ॥ २ ॥
 तस्य ॥ २ ॥
 निमदित्रवेयीसत्रकडनमडायगीत ॥ ३ ॥
 मगदित्रवेयीसत्रकडनमडायगीत ॥ ४ ॥
 तत्र वासडेवाललकारुवत्रकडनमडायगीत ॥ ५ ॥

लि. निवयी आय सूवाय ॥ ६ ॥
 रुमाशायकयत्रिनिवविरुमिउताललनदिहत्रकाकपति ॥ ७ ॥
 ललउत्तममाललजायकयत्रिनिवविरुमिउताललनदिहत्रकाकपति ॥ ८ ॥
 वायिकत्रय ॥ ९ ॥
 रुवत्रकडनमडायगीत ॥ १० ॥
 नाग ॥ ११ ॥
 यचयन ॥ १२ ॥
 न ॥ १३ ॥

卷之四

सर्व

यान न्यमय ऊं ॥ ॥ बाली ॥ वा ॥ द विरुग वति च छि क ॥ दिति ऊ
 द न सुत सकल ना सि नि सो रि त न ग वा सि क ॥ ख भू रु त क भू त
 दिं दि म क हि ख य त्रि हा थ ॥ पु त रु त पि भ च ज कि ति ऊ गि नि
 ग ल सा थ ॥ गाल ई इ रि वा ऊ त सु त ऊ क किं न त आ थ श्री ह वा
 ती ह ग व वे ऊ यान न्य द्वि ऊ व त म थ ॥ ॥ त्र ग ॥ न ग लि ॥ पंच मां
 ॥ ऊं ॥ ग वि न्य सु न्य ग भा ह न गृ य ॥ ऊ ॥ तिल क कू क म क म ल ली
 व न ॥ श्री ॥ म कू ट गि ल य त्र ॥ ग ह ॥ उ ॥ ध ल त ना य त ॥ ग पि स

ग ॥ ष ऊं ॥ वं गी व जा व त ॥ ॥ बाली ॥ वा ॥ द र वा का हि वं गी ध
 त्री श्री गि त्रि धा त्री ॥ ध्र ॥ ग व कू ल म ग व घा ली उ ऊ त म ना त्रि ॥ म थ
 न रु य त्रि ॥ ख ऊ त रु य उ क ना त्री गायी क्वा ति मा त्री ॥ ध्र ॥ ग
 व त वं ध्र या त्री व त्र ग य का त्री ॥ ऊ अ त ना हि रु मा त्री स त्र न उ
 मा त्री ॥ ॥ ॥ त्र ग ॥ सारंग ॥ कू प क वा धा ॥ सारंग धा त्री मृ ड
 ग वा ऊ वं ध्रा ता ल लि उ ॥ स ना ना थ सि धि ना थ नृ य ना थ ना
 थ ॥ ल ॥ ना त्र उ रू व त्र ना ग उ थ थ ॥ जा क पा द पं क ऊं गी त व

ऊयानंदमय ॥ ॥ वासी ॥ पु ॥ नाट ॥ श्रुत नाट ॥ नन्दि रिजिदा
 रावा ऊ ॥ ध्रु ॥ शु ॥ अंग ॥ हस्म ध्रु ॥ ऊ के स्रु ॥ हूत थ ॥ ध्रु ॥
 श्री विऊयानंदमय ॥ ता के दया भां व ला ॥ ॥ ना ग वि
 लास ॥ ज ॥ ॥ रग वनि दे वि ॥ वृ जे वा ना दि ॥ आ दि
 एवा नि ॥ जय ज ग ज न नि ॥ ज ॥ मि न जू के
 ग क ल ॥ कम न वि ला ॥ ॥ व ॥ ॥ रु न नि त गी
 वा नंद वि ज व न ना ज ॥ ॥ वा नि ध ज नि ॥ ॥

एज लव गी वृज वा ना हि ॥ यो नाल विष्णु
कः द्वि य द्वा स द गो मा ॐ ॥ ध्रु ॥ यन के न इति
गि सा भू न्य क या वृ उ उ ॥ दिन सु सि स्त्रा क
य भू बलि न वि या उ ॥ ध्रु ॥ इ गु ज मे ल या
ल यु व न इ समा न ॥ द क्षि ना छा या उ
न उ आ दा या पु मान ॥ ध्रु ॥ र व न क इ म्म

लोकाया वि सु द्यो ओ ओ ॥ मे हा ज म दि क दे
 ओ वा जं थ ना ओ ॥ ५ ॥ गु स न ओ शु य दू स
 सै व रु न थ व मा स ॥ दु श न वि ल ना जा ना
 धे द व का श ॥ ५ ॥ **ना ग व ला नि ॥ अ स्ता ॥**
 ज य र म छि द्र नू व दि वा क नः क न व ल व न

१०१
 अ

य न मि इ न न स न्द्र न ॥ वा हा न रु द्ध रु ध न
 वं वि न दि नि स न रु खि न न न व न श्र ता
 जे द ॥ ॥ **ना ग व ला नि ॥ वा ॥ म छि द न व**
 ल न स व्था न ^{वा} न दि न ॥ ५ ॥ बा द्ध न व
 द न जा गि न जा ग न द न र थ क स न्ना सि
 न ॥ **५ ॥** वा गि व थ व न श्र ना य न म द ल न वृ कि
 ५

सुदृशगम्यम् ॥ २ ॥ मकिनु साय ३

नएषति॥ वि॥ य॥ नि॥ त॥ मे॥ द्वि॥ त्रि॥



